XII **विधी** :— सीखने की प्रक्रिया में विधी बहुत महत्व पूर्ण अंग है उपरोक्त सभी कारक साकारात्मक है लेकिन विधी अनुकूल नहीं तो सीखने प्रक्रिया बाधित होगी। विधी में सीखने वाले की आयु विषय की सरलता कठीनता आदि का ध्यान रखकर शिक्षण विधी चुनाव आवश्यक है जैसे काव्य पाठ के लिए व्याख्यान विधी उपयुक्त हो सकती है परन्तु भौतिक एवं रसायन शास्त्र के लिए प्रयोग विधी आवश्यक है। शिक्षण विधी में बालक की आयु भी महत्व पूर्ण जैसे छोटे बालको के लिए खेल विधी उपयुक्त हो और बड़े बालकों के लिए अवलोकन विधी, प्रयोग विधी आदि अनेक विधियाँ जो आयु के अनुसार उपयुक्त होती है।

XIII **विषय सामग्री** : विषय सामग्री का स्वरूप बालको बुद्धि अभिक्षमता के अनुरूप सरल एवं रोचक होना चाहिए, विषय सामग्री का अर्थ पूर्ण होना भी आवश्यक है जिससे बालको को विषय वस्तु बोझ ना लगे वे सरलता पूर्वक उत्साह के साथ सीख सके।

XIV — **शिक्षक / सीखानेवाला** :- शिक्षक अधिगम का सबसे सबल आधार स्तंभ है। जिसके बिना अधिगम

Scanned with CamScanner

कार्य सफलता पूर्वक पूर्ण नहीं हो सकती है। बालकों को सीखने के लिए शिक्षक में योग्यता, धर्म तथा मनोविज्ञान एवं बालकों की रुचि आदि ज्ञान आवश्यक है। शिक्षक कक्षा कक्ष एवं विद्यालय का वातावरण को अनुकूल रखना भी जरूरी है जिससे अधिगम की प्रक्रिया निरन्तर निर्बाध गति से संचालित हो। शिक्षक और अभिभावक दोनों में समन्वय सेतु का कार्य करता है सीखने के

Scanned with CamScanner